على نظم الشجرة حيثما تجملا فتكونا هنا دعويهم ثلاثة
فأزلهما استزلهم كانا هنا بلغ اهبطوا سقطوا وأقسطوا
بعضكم لبعض عدو هنا دعويهم وعنتا وزد يرزقكم ولكم في هنا
البر دعويهم مستقر ومتع الى حين هنا دعويهم وزد وذا النون
فتلقى هنا نصف قرينه آدم هنا وعنتا كلمت هنا ابتلى فتاب
عليه هنا تلبسون وعنت يأتينكم هنا حرم وعنت تبع أحسن
هداي هنا وعنت هداي تداينتم أنه الحق هنا يدفع سيقول
إليه أولئك أصحب النار هم فيها خلدون هنا الرسل حرم أحسنوا
تولوا يبني إسرائيل اذكروا نعمتي التي أنعمت عليكم هنا
تلبسون ننسخ بعهدكم بعدكم وإيي هنا معا ووعدنا
وإيي رئي يحيي فارهبون هنا وقال الله وءامنوا هنا
أخا عاد الم يان أنزلت أكملت معكم ولا هنا نافقوا أو
سول تقول ولا تشتروا هنا يحزنك يأمر بآيتي ثمنا آيتي
ويتدرونكم آيتي نتلى آيتي فمن فاتقون يستحي انصرني
أمر الله مس نصف تلبسوا هنا دار بالواو وحاجه تلبسوا
الحق تبخسوا الناس نسوا الله الحق وأنتم هنا أحسن واركعوا هنا
عاقب ولدن أتأمرون تأمنه تأمنا بالبر هنا يشهد قد سمع
وتنسون هنا يستجيب واستعينوا هنا وأوحينا سيقول والصلوة
بالوقف هنا سيقول تجدوه [illegible]

هنا نبئ يظنون أنهم ملاقوا هنا خرجوا ملاقوا هنا خرجوا الفريقين
أنعمت هنا يستحيي ننسخ واتقوا يوما هنا ننسخ هديهم يوما
قوما صوما تجزي نفس عن نفس هنا ننسخ شفعة هنا الرسل ننسخ
يؤخذ هنا ننسخ الرحمن عدل هنا ننسخ وإذ نجينكم وإذ نادى
وإذ نتقنا يسومونكم هنا وأوحينا الجنة يذبحون هنا يعلم بالواو
ويستحيون هنا ووعدنا يعلم نساءكم بوقف هنا وأوحينا الجنة
وزد أحسن بوصل وفي ذلكم بلاء من ربكم عظيم هنا وأوحينا الجنة
عظيم كظيم وإذ فرقنا وإذ صرفنا فأنجيناكم هنا وأوحينا منها
وأنتم تنظرون هنا معا سارعوا وزد بموقع بلا وقف وعدنا هنا
نصف أربعين هنا ووعدنا رجلين خلقنا ليلة هنا ووعدنا معا ليلة ميلة
عيلة عفونا هنا يحب عفونا بلونا فمحونا فكسونا عنكم من هنا
استسقى معروف وإذ آتينا موسى الكتب هنا يتوفيكم والفرقان
للأذقان القانع قانتا ثمن وإذ قال موسى لقومه يقوم هنا أخذ
عسى الله وزد واتل ظلمتم هنا جئتكم بارئكم هنا معا فاقتلوا
هنا انسلخ وإذ قلتم هنا استسقى جهرة هنا يحب يستجيب فأنذرتكم
هنا الصعقة هنا يحب خطبكم وظللنا هنا واكتب منها والسلوى هنا
واكتب منها كلوا من طيبت ما رزقنكم بوقف هنا واكتب وبوصل
الصفا تأتي القرية هنا واكتب يسرق فكلوا منها هنا هذان معا

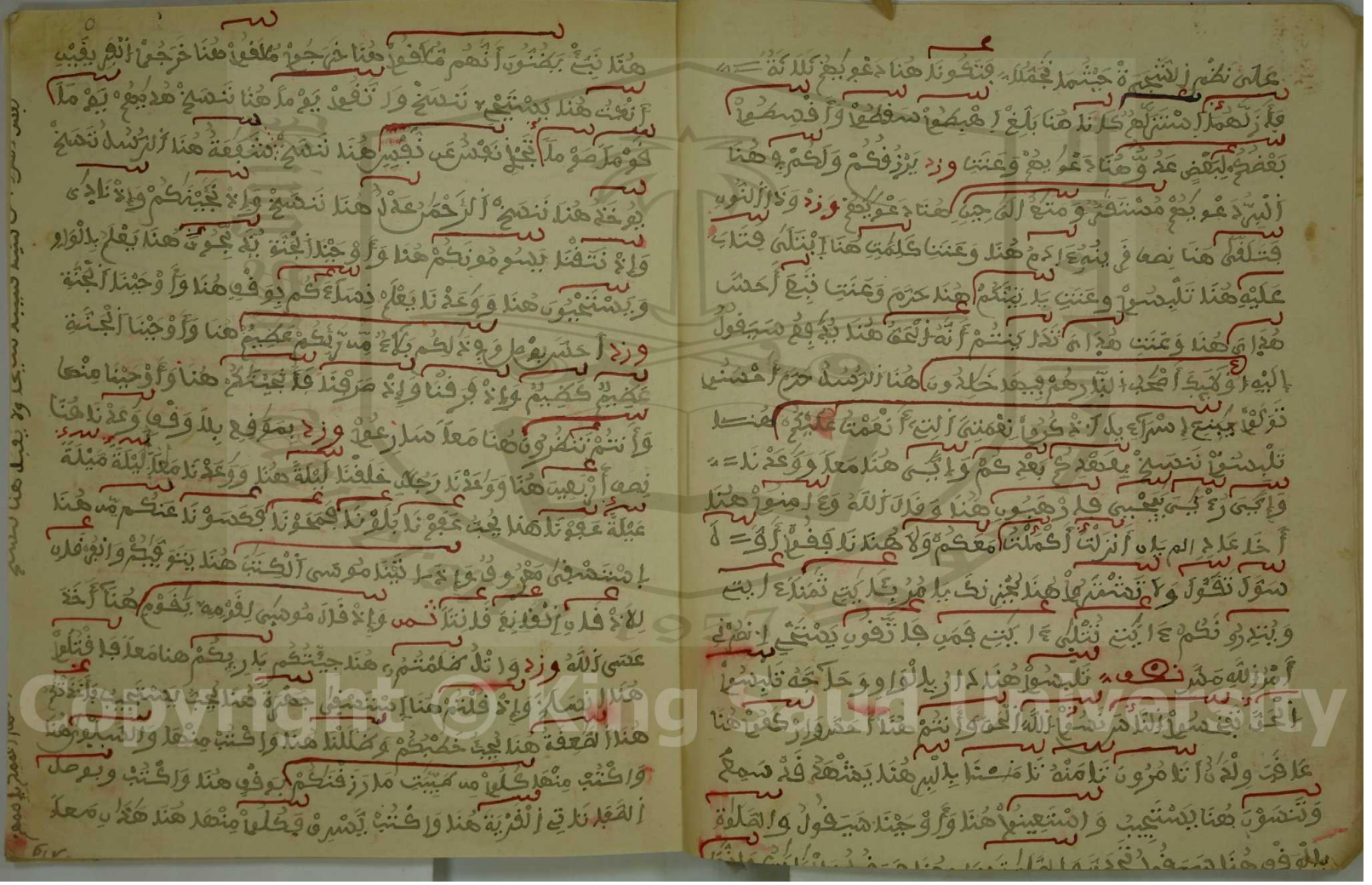

Copyright © King Saud University